Self Development Catalogue

September 2026

ख़ुशियों के बीज by Vikas Debnath

ख़ुशियों के बीज हमारे अंदर ही छिपे होते हैं, बस उन्हें पहचानने और सींचने की जरूरत होती है। छोटे-छोटे अच्छे विचार, सकारात्मक सोच और दूसरों के प्रति दया का भाव ही इन बीजों को अंकुरित करते हैं। जब हम आभार व्यक्त करते हैं और हर परिस्थिति में कुछ अच्छा ढूंढते हैं, तब ये बीज एक सुंदर वृक्ष बन जाते हैं। यह वृक्ष न केवल हमें शांति और संतोष देता है, बल्कि हमारे आसपास के लोगों के जीवन में भी ख़ुशियां फैलाता है। इसलिए हर दिन एक नया बीज बोएं और उसे प्रेम, धैर्य और विश्वास से बढ़ने दें। | Paperback - 1st Edition, 2026, 372 p. (Perfect Bound), ISBN 9789349315006 - ₹ 799/-